पुनर्वास विवि में बनेगा दवाओं का क्लीनिकल ट्रायल केंद्र

पुनर्वास विश्वविद्यालय में निरीक्षण करते डॉ. राजीव और साथ में कुलपति। स्रोत -विवि

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में दिव्यांगों के उपयोग में आने वाले मेडिकल डिवाइस को बनाने व नई दवाओं के परीक्षण के लिए क्लीनिकल ट्रायल केंद्र स्थापित होगा। इससे यहां के दिव्यांग छात्र-छात्राओं को भी फायदा होगा।

विवि परिसर में शुक्रवार को इंडियन फॉर्माकोपिया कमीशन के साइंटिफिक निदेशक व सेंट्रल ड्रग स्टैंडर्ड ऑर्गेनाइजेशन के ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) डॉ. राजीव सिंह रघुवंशी ने दौरा किया।

दिव्यांगों के मेडिकल डिवाइस का भी होगा परीक्षण

डॉ. रघुवंशी ने शोध व विकास के क्षेत्र में सहयोग देने की बात भी कही। कुलपति ने बताया कि सेंटर से फॉर्मेसी, प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स संकायों को लाभ होगा।

शोध में भागीदार बनेगा केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन

जागरण संवाददाता • लखनऊ : इंडियन फार्माकोपिया कमीशन के साइंटिफि डायरेक्टर और सेंट्रल ड्रग स्टैंडर्ड आर्गेनाइजेशन के ड्रग कंट्रोलर जनरल आफ इंडिया डा. राजीव सिंह रघुवंशी ने शुक्रवार को डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय का दौरा किया।

दौरे के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य संजय सिंह के साथ हुई वार्ता में दिव्यांगों से संबंधी शोध में भागदारी करने पर सहमति जताई गई। डा.राजीव सिंह रघुवंशी ने कहा कि डीसीजीआइ, केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) का प्रमुख पद होता है, जो देश भर में गुणवत्तापूर्ण दवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होता है। इसके पास नई दवाओं को मंजूरी देने और क्लीनिकल ट्रायल को विनियमित करने का भी अधिकार भी है।

दिव्यांगों के प्रयोग में आने वाले मेडिकल डिवाइस को बनाने एवं इस क्षेत्र में क्लीनिकल ट्रायल के लिए नई दवाओं के प्रयोग के लिए हम आगे बढ़ सकते हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो.पीके सिंह, कुलसचिव रोहित सिंह व डा. विजय शंकर शर्मा समेत शिक्षक मौजूद थे।

सार-संक्षेप

फ़ार्माकोपिया आयोग के निदेशक ने किया पुनर्वास विवि का दौरा

अमृत विचार, लखनऊ : इंडियन फ़ार्माकोपिया कमीशन के वैज्ञानिक निदेशक और सेंट्रल ड्रग स्टैण्डर्ड ऑर्गेनाइजेशन के ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ़ इंडिया डॉ. राजीव सिंह रघुवंशी ने डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय का दौरा किया। कुलपति आचार्य संजय सिंह और इंडियन फ़ार्माकोपिया कमीशन के डॉ. राजीव सिंह रघुवंशी के बीच शोध और विकास के क्षेत्र में सहयोग हेतु बातचीत हुई। इस अवसर पर डॉ. राजीव सिंह रघुवंशी ने कहा कि इंडियन फ़ार्माकोपिया कमीशन व सेंट्रल ड्रग स्टैण्डर्ड ऑर्गेनाइजेशन और पुनर्वास विश्वविद्यालय के बीच आगामी सहयोग करके फार्मेसी, प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स आदि संकायों के कौशल संवर्धन के लिए डिजाइन और उत्पादों के विकास पर विचार किया जाएगा। दिव्यांगजनों की जरूरतों के अनुकूल लघु अवधि के तकनीकी कौशल संवर्धन कार्यक्रम या कार्यशालाएं आयोजित करने पर विचार होगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो. वीके सिंह, रोहित सिंह, डॉ. विजय शंकर शर्मा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मध्य वर्ग के लिए लाभकारी है बजट : प्रो. तिवारी

लखनऊ। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग की ओर से बृहस्पतिवार को बजट 2025-26 के प्रावधान और प्रभाव विषय पर चर्चा हुई। मुख्य वक्ता विवि के पूर्व प्रो. एपी तिवारी ने कहा, यह बजट मध्य वर्ग, किसानों, छात्रों व श्रमिकों सहित सभी को लाभान्वित करेगा।

पुनर्वास विवि में विशेषज्ञों ने की चर्चा

उन्होंने इसे आर्थिक संतुलन और 6.5% जीडीपी की वृद्धि हासिल करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा, विकास की मुख्यधारा से वंचित वर्गों को सशक्त बनाना भारत की आर्थिक प्रगति के लिए अनिवार्य है।

कुलपति प्रो. संजय सिंह ने बजट की प्रभावशीलता को रेखांकित करते हुए इसे विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में सहायक बताया। डीन शैक्षणिक प्रो. वीके सिंह ने बजट के आयकर सुधारों को मध्य वर्ग के लिए राहतकारी बताया। विभागाध्यक्ष डॉ. अनामिका चौधरी ने आयकर पर बढ़ी छूट को बड़ा कदम बताया। अवसर पर प्रो. पांडेय राजीवनयन, डॉ. राशि कृष्ण सिन्हा, डॉ. अभिषेक पांडेय, डॉ. अंजली सिंह, डॉ. नरेंद्र कुमार भी थे। (संवाद)